हिंदी अध्यापक संघ
VICTERS CLASS - 09/11/21
10th Hindi, Notes with work sheet
बच्चे काम पर जा रहे हैं

കവിത കേൾക്കുന്നതിന് ഇവിടെ ക്ലിക്ക് ചെയ്യൂ....
ഇന്നത്തെ ക്ലാസ് കേൾക്കുന്നതിന് ഇവിടെ ക്ലിക്ക് ചെയ്യൂ....

1, 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' किसकी कविता है ?
उत्तर: राजेश जोशी की।

2, बड़े बच्चे कहाँ जा रहे हैं ?
उत्तर: बच्चे काम पर जा रहे हैं।

3, 'हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह' ऐसा क्यों कहा गया है?
उत्तर: बच्चों का काम पर जाना भयानक स्थिति है। यह कानूनन अपराध है। फिर भी कई बच्चे रोटी के लिए तरसते हैं। वे अपने परिवार के सदस्यों की भूख मिटाने के लिए काम पर जाते हैं। यह देश की डरावना स्थिति है।

4, बातों को सवालों की तरह लिखा जाने से क्या फायदा है ?
उत्तर: अकसर हम समस्याओं को विवरण की तरह लिखते हैं, और उस पर चर्चा होती रहती है। कोई हल नहीं निकलता । समस्याओं को सवालों की तरह लिखा जाने से यह फायदा होती है कि उसका जवाब मिल जाता है। समस्या का एक हद तक समाधान होता है।

5, 'क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं सारे मदरसों की इमारतें' इन पंक्तियों द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?
उत्तरः प्रस्तुत पंक्तियों से बच्चों की पढ़ाई करने के हक से वंचित होने की बात बताते हैं। यहाँ 'मदरसों की इमारतें पाठशालाएँ है। गरीब बच्चे आज भी पढ़ाई से वंचित रहते है।

HW
6, बाल श्रम के विरुद्ध संदेश देते हुए एक पोस्टर तैयार करे ?

राजेश जोशी

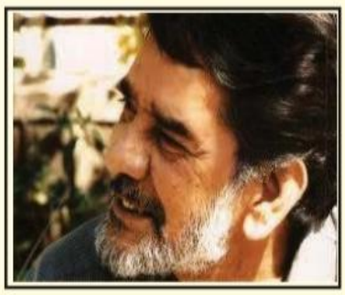

जन्म : 18 जुलाई 1946, नरसिंहगढ़, मध्यप्रदेश

हिंदी के आधुनिक कवियों में प्रमुख। आपकी कविताएँ गहरी सामाजिक सच्चाई की कसौटी हैं। आपके काव्यों में आत्मीयता और गेयता है। मनुष्यता को बचाए रखने का एक निरंतर संघर्ष आपकी कविताओं की विशेषता है।

समर गाथा, मिट्टी का चेहरा, दो पंक्तियों के बीच आदि आपके प्रमुख काव्य-संग्रह हैं। 'दो पंक्तियों के बीच' काव्य-संग्रह के लिए आपको साहित्य अकदमी पुरस्कार (2002) प्राप्त हुआ था।

शॉर्ट फ़िल्म '**जून 12**' पर चर्चा करें...

कविता

548VEC

बच्चे काम पर जा रहे हैं

राजेश जोशी

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

'हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह'
ऐसा क्यों कहा गया है?

काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

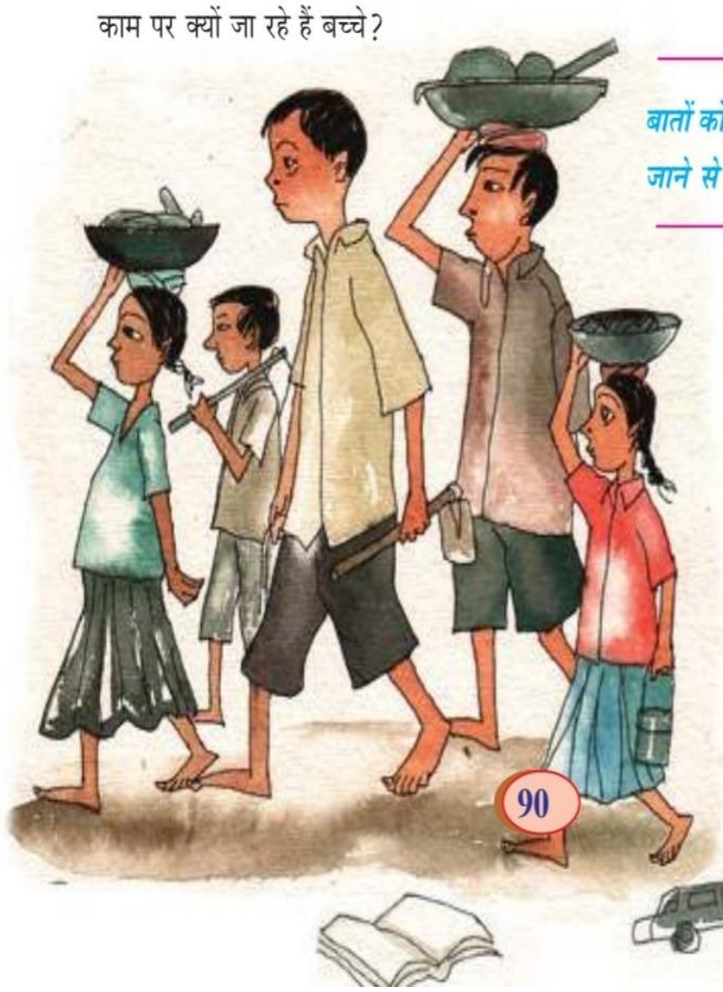

बातों को सवालों की तरह लिखा जाने से क्या फायदा है?

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे
खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

'क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं सारे मदरसों की इमारतें' -इन पंक्तियों द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं?

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल

पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए
बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

यह कविता किस सामाजिक समस्या की चर्चा कर रही है?